पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय में उमा-हरिकृष्ण अवस्थी सभागार का उद्घाटन किया

लखनऊः 13 जून, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय में उमा-हरिकृष्ण अवस्थी सभागार का उद्घाटन किया तथा सभागार स्थित पूर्व कुलपति प्रो0 हरिकृष्ण अवस्थी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी आदरांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल के अलावा सहकारिता मंत्री श्री मुकुट बिहारी वर्मा, कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह, पूर्व अधिष्ठाता कला संकाय श्री डी0पी0 सिंह, डा0 आभा अवस्थी, शिक्षकगण, छात्र-छात्रायें व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि सभागार का नामकरण लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 हरिकृष्ण अवस्थी एवं उनकी पत्नी श्रीमती उमा अवस्थी के नाम पर किया गया है।

राज्यपाल ने सभागार के उद्घाटन के पश्चात् अपने विचार रखते हुये कहा कि वे लखनऊ विश्वविद्यालय के अनेक कार्यक्रमों एवं उद्घाटन समारोह में आ चुके हैं, लेकिन आज के कार्यक्रम की कुछ विशेषता है, जैसे भगवान राम के नाम के पहले सीता का नाम तथा श्रीकृष्ण के नाम के पहले राधा के नाम का कुछ अलग आनन्द है उसी प्रकार आज सभागार का नाम उमा- हरिकृष्ण अवस्थी रखा गया है। प्रो0 अवस्थी ने अपने कार्यकाल में विश्वविद्यालय से कुलपति के तौर पर कोई मानदेय नहीं लिया। परिजनों द्वारा सभागार के निर्माण कार्य का व्यय उठाना अपने आप में एक संदेश है। उन्होंने कहा कि परिजनों की कृति वास्तव में सराहनीय है।

श्री नाईक ने कहा कि इस बात का अनुभव बहुत कम मिलता है कि प्रो0 अवस्थी लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र रहे, छात्रसंघ के निर्विरोध अध्यक्ष रहे फिर विश्वविद्यालय में शिक्षक बने और बाद में कुलपति भी रहे। उनके जीवन का लम्बा समय लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ जुड़ा रहा। वे 36 वर्षों तक उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य भी रहे जो अपने आप में एक मिसाल है। तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा प्रो0 अवस्थी की एक शिक्षक तथा प्रशासक के रूप में उच्चकोटि की काबिलियत को देखते हुये लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त करने के लिये विशेष आग्रह किया गया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्रायें एवं कर्मचारीगण संकल्प लेकर विश्वविद्यालय को और आगे बढ़ाने का संकल्प लें, यही प्रो0 अवस्थी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सहकारिता मंत्री श्री मुकुट बिहारी वर्मा में कहा कि स्व0 प्रो0 हरिकृष्ण अवस्थी के जीवन को भारतीय संस्कृति के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रो0 अवस्थी ने आजीवन परोपकार और दूसरों को आगे बढ़ाने का काम किया है।

कार्यक्रम में प्रो0 एस0पी0 सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा पूर्व अधिष्ठाता प्रो0 डी0पी0 सिंह ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (225/16)

उमा–हरिकृष्ण अवस्थी सभागार
का लोकार्पण
माननीय श्री रामनाईक, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
एवं कुलाधिपति लखनऊ विश्वविद्यालय
के कर कमलों द्वारा
विशिष्ट अतिथि माननीय श्री मुकुट बिहारी वर्मा
सहकारिता मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार
एवं प्रो.डी.पी. सिंह, पूर्व अध्यक्ष, लोक प्रशासन विभाग
की गरिमामयी उपस्थिति में
मंगलवार, दिनांक 13.06.2017 को सम्पन्न हुआ।
प्रो. सुरेन्द्र प्रताप सिंह
कुलपति

नव प्रतिस्थापित
उमा - हरिकृष्ण अवस्थी सभागार का लोकार्पण समारोह
मुख्य अतिथि: श्री राम नाईक, माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
विशिष्ट अतिथि: श्री मुकुट बिहारी वर्मा, माननीय सहकारिता मन्त्री, उत्तर प्रदेश सरकार
विशिष्ट अतिथि: प्रो. डी. पी. सिंह, पूर्व अधिष्ठाता, कला संकाय, लखनऊ
आतिथ्य: प्रो. सुरेन्द्र प्रताप सिंह, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय
13 जून, 2017,